

25
28/11/72



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 549] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 6, 1971/कृत्तिका 15, 1893

No. 549] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 6, 1971/KARTIKA 15, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November 1971

S.O. 5089.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Mahesh Beopar Bhandar Company Limited, Dhuri, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of one year from the 6th November, 1971 to the 5th November, 1972 (both days inclusive) in respect of forward contracts in Kapas.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(13)-IT./71.]

R. K. TALWAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास संचालय

(आंतरिक व्यापार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1971

का० प्रा० 5089.—केन्द्रीय सरकार, महेश व्यापार भंडार कम्पनी लिमिटेड, पुरी द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अग्रिम संविदा (वित्तियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपनी यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त कम्पनी को कपास की अग्रिम संविदाओं की बाबत 6 नवम्बर, 1971 से लेकर 5 नवम्बर, 1972 तक, जिसमें ये दोनों दिनों सम्मिलित हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्वधीत है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगा।

[सं० 12(13)—आई० टी० 71]

आर० के० तलवार, संयुक्त सचिव।